PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Friday, 4th March 2011, Page: 13
Width: 4.49 cms Height: 11.43 cms, Ref: pmin.2011-03-04.53.51

तैयार हो जाएं महंगी दवाओं के लिए

नई दिल्ली। प्रमुख दवा कंपनियों का मानना है कि आम बजट में उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्ताव से आम आदमी के लिए दवाएं महंगी हो जाएंगी।

फार्मा कंपनियों ने आशंका जताई है कि सेज पर मैट के प्रस्ताव से भी उनका मुनाफा बुरी तरह प्रभावित होगा। फाइजर के प्रबंध निदेशक केवल हांडा के अनुसार बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को वह प्राथमिकता नहीं मिली है, जिसका वह हकदार है। उत्पाद शुल्क में एक प्रतिशत बढ़ोतरी के प्रस्ताव से उपभोक्ताओं के लिए दवाएं डेढ़ फीसद तक महंगी हो जाएंगी। दवाओं व स्वास्थ्य उपकरणों पर उत्पाद शुल्क को 4 से बढ़ाकर 5% कर दिया गया है। हांडा का मानना है कि सरकार दवा पर सीमा और उत्पाद शुल्क हटा सकती थी, जिससे उसे महंगाई से लड़ने में मदद मिलती। एक अन्य दवा कंपनी डॉ रेडडीज लैब ने सेज पर मैट लगाने के प्रस्ताव को उद्योग के लिए एक नकारात्मक कदम करार दिया है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी उमंग वोहरा ने कहा, कि सेज इकाइयों पर मैट का उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ेगा।